

# अवधानामा



## पेरिस मारसई में खुला भारत का नया वाणिज्य दूतावास

■ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने किया उद्घाटन



पेरिस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इम्पेरियल मैक्रों ने बुधवार को सुन्दर रूप से मारसई शहर में भारत के नए वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति मैक्रों के निमंत्रण पर फिलहाल फ्रांस के दौरे पर हैं। दोनों नेताओं ने बन्द दबाकर सुन्दर रूप से मारसई शहर में नए वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन किया।

इस मैक्रे पर मौजूद भीड़ ने पूरे ऊपर की साथ खुशी जाहाज। इनमें से कई लोग भारत और फ्रांस के दोनों के गाड़ी या ध्वनि लेकर आए थे। वाणिज्य दूतावास के ऊपर की ओर उद्घाटन से पहले, मोदी और मैक्रो ने एकत्रित माजारेजे कबिस्तान का दौरा किया। और पहले विश्व युद्ध में सर्वोच्च बलिदान देने

वाले भारतीय सेनियोरों को श्रद्धांजलि दी। बाद में, दोनों नेताओं ने भीड़ में मौजूद कुछ लोगों से बातचीत भी की। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्वी फ्रांस के मार्सिले पहुंचे और स्वतंत्रता सेनानी जी दी सावरकर को अद्वांजलि अर्पित की,

जिन्होंने इसी बंदस्थान शहर में 'भाग निकलने का साहसिक प्रयास' किया था। मोदी ने मगलबार रात (स्थानीय समयनासुर) वहां पहुंचे के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'मार्सिले पहुंचा हूं। भारत के स्वतंत्रता के संर्वार्थ में'

यह शहर विशेष महल रखता है। यहां पर महान वीर सावरकर ने भाग निकलने का साहसिक प्रयास किया था। कहा, 'मैं मार्सिले के लोगों और उस समय के फ्रांसीसी कार्यकर्ताओं को भी ध्वनियां देना चाहता हूं जिन्होंने मार्ग की ओर उन्हें ब्रिटिश हिंगस्त में नहीं सौंपा जाए। वीर सावरकर की बहादुरी पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।'

मार्सिले पहुंचने पर प्रधानमंत्री का भारतीय प्रवासी सम्बोधन के लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। दोनों नेताओं ने एक न्यायाधीश का बनाए रखने, वैधिक चुनौतियों का समाधान करने और तकनीकी, अधिकारी क्षेत्रों सहित उभयते विकास के लिए दुनिया को तैयार करने के लिए प्रभावी बहुपक्षवाद के अल्हान को देखा।

जानें जो दो दिन बाद भीड़ ने एक न्यायाधीश का बनाए रखने, वैधिक चुनौतियों का समाधान करने और तकनीकी, अधिकारी क्षेत्रों सहित उभयते विकास के लिए दुनिया को तैयार करने के लिए प्रभावी सिंह और उनके बेटे की हत्या कर दी थी और सामाजिक लुटकार घर को आग के हवाले कर दिया था। कुमार पर मुकदमा चलाते हुए अदालत ने कहा था कि प्रथम दृश्या यह मानने के लिए पर्याप्त सबूत है कि वह न केवल एक भागीदार थे, बल्कि उन्हें भीड़ का नेतृत्व भी किया था।

## 1984 सिख विरोधी दंगे मामले में सज्जन कुमार दोषी करार

- राज एवेन्यू कोर्ट का फैसला
- सज्जन कुमार कोर्ट का फैसला



नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कर्यालय के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को सिख विरोधी दोषी के दौरान सरकारी विहार इलाके में दो लोगों की हत्या के मामले में बुधवार को दोषी करार दिया। विशेष न्यायाधीश काविरी बाबेजा ने दोषसंदिक्षा का आदेश पारित किया और सज्जन पर बहस की तरीख 18 फरवरी तय की।

सज्जन नुसार जाने के लिए कुमार को तिहाड़ जेल से अदालत में पेश किया गया। मामला 1 नवंबर 1984 को जसवंत सिंह और उनके बेटे तर्णदीप सिंह की हत्या से संबंधित है। पंजाबी बाग थाने ने शुरू में मामला दर्ज किया था। इस मामले में जसवंत सिंह की पती ने शिकायत दर्ज कराई थी। अधियोजन पक्ष के अनुसार भीड़ ने घर में घुसकर सिंह और सामाजिक लुटकार घर को आग के हवाले कर दिया था। कुमार पर मुकदमा चलाते हुए अदालत ने कहा था कि प्रथम दृश्या यह मानने के लिए पर्याप्त सबूत है कि वह न केवल एक भागीदार थे, बल्कि उन्हें भीड़ का नेतृत्व भी किया था।

## माघ पूर्णिमा पर दो करोड़ लोगों ने किया स्नान

### महाकुंभ

- अनिल कुंबले और सुनील शेटी जैसी हस्तियों ने लगायी इबकी
- शाम 6 बजे तक चला स्नान
- गहाकुंभ गेला क्षेत्र के चप्पे-चप्पे पर गुरुरैट दिखे अधिकारी
- एटी-ड्रॉन सिस्टम द्वारा अलर्ट नोट में



### श्रद्धालुओं का जनसमृद्ध



संकल्प आज पूरा हो रहा : राजेंद्र त्रिवेणी संज्ञान आरती सेवा समिति के संस्थापक और तीर्थ पुरोहित राजेंद्र मिश्रा ने बताया कि शिष्टी पूर्णिमा पर कल्पवास का संकल्प लेने वाले कल्पवासियों का संकल्प आज पूरा हो रहा है। उन्होंने एक महाने तरह सभी यम, विष्वामी और संयम, आर्श साक्षिक जीवन का अक्षराशः पालन करें, भूमि पर शयन करें, तीव्र वार खान करें, स्वयं भोजन बाबाल एक समाज भोजन करें, योगितावाल करें और शुभ्र योगी जीवन करें। उन्होंने तो एक नियम जारी किया कि आज वार में जंगा का पूजन, दीपावल करके उस सकल्प से मुक्त होंगे और दिशाशूल के देखते हुए अपने घरों के लिए प्रस्थान करें।

### सीएम

#### ने दी शुभकामनाएं

तरह, फिल्म अभिनेता सुनील शेटी ने भी समग्र में डुबकी लागाए और सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाओं को अद्भुत बताया। इस बीच, महाकुंभ में कल्पवास कर रहे करीब 10 लाख सभी भोजन करने के साथ आज पूरा हो रहा है। उन्होंने एक महाने तरह सभी यम, विष्वामी और संयम, आर्श साक्षिक जीवन का अक्षराशः पालन करें, भूमि पर शयन करें, तीव्र वार खान करें, स्वयं भोजन बाबाल एक समाज भोजन करें, योगितावाल करें और शुभ्र योगी जीवन करें। उन्होंने तो एक नियम जारी किया कि आज हमारा कल्पवास बहुत हो रहा है।

ने कहा कि आज हमारा कल्पवास बहुत हो रहा है। कल्पवास बहुत अच्छा हो कर्ते हुए असुविधा नहीं है। (संबंधित खबर पेज-16 पर)

## याचिका चुनाव के समय मुफ्त की योजनाओं से सुप्रीम कोर्ट नाराज लोग काम करने को तैयार नहीं : सुप्रीम कोर्ट

- चुनाव हम पर्याप्तीवाली वर्ग तैयार नहीं कर रहे
- सुप्रीम कोर्ट ने छह हप्ते के लिए टाली सुनवाई
- पहले वी सुप्रीम कोर्ट लगा चुकी है फटकार

याचिका चुनाव के समय मुफ्त की योजनाओं से सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी वर्गीकरण पर सुनवाई की तारीख तय कर दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी वर्गीकरण पर सुनवाई की तारीख तय कर दी है। याचिका चुनावी वर्गीकरण पर सुनवाई की तारीख तय कर दी है। याचिका चुनावी वर्गीकरण पर सुनवाई की तारीख तय कर दी है।

याचिका चुनावी वर्गीकरण पर सुनवाई की तारीख तय कर दी है।

याचिका चुनावी वर्गीकरण पर सुनवाई की तारीख तय कर दी है।

याचिका चुनावी वर्गीकरण पर सुनवाई की तारीख तय कर दी है।

याचिका चुनावी वर्गीकरण पर सुनवाई की तारीख तय कर दी है।

याचिका चुनावी वर्गीकरण पर सुनवाई की तारीख तय कर दी है।

याचिका चुनावी वर्गीकरण पर सुनवाई की तारीख तय कर दी है।

याचिका चुनावी वर्गीकरण पर सुनवाई की तारीख तय कर दी है।

याचिका चुनावी वर्गीकरण पर सुनवाई की तारीख तय कर दी है।

याचिका चुनावी वर्गीकरण पर सुनवाई की तारीख तय कर दी है।

याचिका चुनावी वर्गीकरण पर सुनवाई की तारीख तय कर दी है।

याचिका चुनावी वर्गीकरण पर सुनवाई की तारीख तय कर दी है।

याचिका चुनावी वर्गीकरण पर सुनवाई की तारीख तय कर दी है।

याचिका चुनावी वर्गीकरण पर सुनवाई की तारीख तय कर दी है।

याचिका चुनावी वर्गीकरण पर सुनवाई की तारीख तय कर दी है।

याचिका चुनावी वर्गीकरण पर सुनवाई की तारीख तय कर दी है।

याचिका चुनावी वर्गीकरण पर सुनवाई की तारीख तय कर दी है।

याचिका चुनावी वर्गीकरण पर सुनवाई की तारीख तय कर दी है।

याचिका चुनावी वर्गीकरण पर सुनवाई











## સરકાર દ્વારા હર યોજના મેં સન્ત રવિદાસ જી કી ભાવનાઓં કો સમાહિત કરતે હૃદ્યે દિયા જા રહ્યું હૈ મૂર્તસ્કૃપ

■ સંત રવિદાસ જી કા પૂરા જીવન હૈ એક સંદેશ હૈ  
■ સંત રવિદાસ કે કા જીવન દર્શન આજ ભી પૂરી તરફ સે પ્રાસાંગિક  
■ હમ સબકોનું તુનું જે જીવન સે આદર્શોં સે લેની ચાહીએ  
પ્રેરણ: કેશવ માર્ટ

અવધનામા સંવાદદાતા



પણ જુનિયાંડી માનવાધિકારી, હોના ચાહીએ અને દ્વારા ગાર ગણ દોહેં ઔર વદોં સે આમ જનતા કા ઉત્તર હુન્ના। સન્ત રવિદાસ કે દોહેં એસા ચાહું રજ મેં જહાં મિલૈ સબન કો અત્રાંગેટ બડો સબ સમ બસે, દેસાસ રહે પ્રસ્તર: ॥ કો ઉત્તુત કરેં હું શ્રી મૌર્ય ને કહા કે ઇસ્કા અર્થ હૈ કે સમાજ કે સમીં વર્ગ કે લોગોને કે તોણ વહ છેટા હો યા બઢા, એક એસે રાજ્ય કો કમાન કરોયે હૈ, જહાં સમીં વર્ગ ને પ્રાણિઓ કે તોણ વહ છેટા-બડા ન હોનેકર એક સમાન હો.

ડબલ ઇન્નાં કો સરકાર ને કેદે એન્ન પ્રદેશ કો પ્રત્યેક યોજનાઓં કો લાભ, ગરીબ, મજાર, મહિતા, કિસાન એવાં જીવનાંનોં કો દેને કા જમ પર મનયા જાતા હૈ। રવિદાસ જી જાતિ પ્રથા કે ઉત્તુલન મેં પ્રયાસ કરેને કે લિએ જાને જતે હોયું। ગુર રવિદાસ જી ને આધ્યાત્મિકતા કે સથાં હી સમાનતા કા સર્વે દિયા રવિદાસ પલે લોગોને સે એક થે જિન્હેને તેક દિયા કે સમીં કો લાભ ને સંચાલિત હૈનું।









## बाजार की अस्थिरता में चाहते हैं रिटर्न फी रिटर्न, आर्बिट्रेज फंड हैं बेहतर विकल्प

मुंबई। बया होगा आगे आपके द्वारा निवेश की गई पूँजी को बिना जाखिम में भाले, येरां बाजार की अस्थिरता का फायदा उठाने का कोई तरीका मिल जाए क्या होगा आगे आप क्रेडिट, डिफॉल्ट या द्यूरूशन रिस्क के बिना डेट म्यूचुअल फंड जैसा रिटर्न हासिल कर सके? क्या होगा आगे कोई इक्विटी प्रेड्रेट हो जो स्थिर और डेट फंड की तरह रिटर्न देते हुए आपके निवेश को सुरक्षा प्रदान करता हो?

अगर इस तरह के सवाल निवेश को लेकर आप में इंटरेस्ट जाते हैं, तो यह भारतीय म्यूचुअल फंड एक चौपांच से अधिक समय से बाजार इंडस्ट्री में बदलाव कर सकता है, एक आर्बिट्रेज फंड हैं से एक आर्बिट्रेज फंड को अपेक्षाकृत रिस्क-फी रिटर्न मिलता है।

फंड मैनेजर्स का कहना है कि येरां बाजारों में हाई बोल्टिलिटी (अस्थिरता) अर्बिट्रेज फंड मैनेजर्स के लिए प्रॉफिट प्रॉड्यूसर बनते हैं, एक चौपांच से अधिक समय से बाजार ऐसे प्रेक्षण कर चुका है, जिसके साथ को अपेक्षाकृत रिस्क-फी रिटर्न प्रदान करते हैं।

जहां मौजूदा समय में सेविंग्स के अकाउंट (बचत खातों) पर कम से कम 2.70% फीसदी सालाना रिटर्न मिल रहा है, वहीं बढ़ाया बीपानी पारिया आर्बिट्रेज फंड तक रिस्क-फी रिटर्न प्रदान करते हैं, जैसे निवेशकों के लिए लोहा रुपरेश 33

को 7.15% फीसदी रिटर्न दिया है (नीचे टेबल देखें)। येरां बाजार में चल रही अस्थिरता के साथ, आर्बिट्रेज फंड कैश और प्रभुवर मार्केट (बायदा बाजारों) के बीच प्राइसिंग के ब्रेमेल होने का फायदा उठाने का लिए योग्य है, जो इक्विटी फंड पर लागू होती है। यानी, शॉर्ट टर्म गेन्स के लिए 20 फीसदी और बिना इंडेसेशन के लॉन्च टर्म गेन्स के लिए 12.5 फीसदी - जो इहें ट्रैक्स-एफिशिएंट विकल्प बनाता है।

आर्बिट्रेज फंड क्यों हासिल कर रहे हैं लोकप्रियता?

ट्रैक्स-एडजस्टेड रिटर्न की पेशकश करने वाले आर्बिट्रेज फंड ट्रैक्स-सेक्स निवेशकों के लिए एक चौपांच से अधिक समय से बाजार ऐसे प्रेक्षण कर चुका है, जिसके साथ को अपेक्षाकृत रिस्क-फी रिटर्न मिलता है।

आर्बिट्रेज फंड तक रिस्क-फी रिटर्न प्रदान करते हैं, जैसे निवेशकों के लिए लोहा लीटो के रूप में उभर रहे हैं, जो लंबी अवधि के निवेश के लिए पैसा लगाने के लिए इंटरेस्ट जाता है।

जहां मौजूदा समय में सेविंग्स के अकाउंट (बचत खातों) पर कम से कम 2.70% फीसदी सालाना रिटर्न मिल रहा है, वहीं बढ़ाया बीपानी पारिया आर्बिट्रेज फंड तक रिस्क-फी रिटर्न प्रदान करते हैं, जैसे निवेशकों के लिए 22 फीसदी और 33

## भारत में सैंडविच जेनरेशन के 60% लोगों को भविष्य की फाइनेंशियल सिक्युरिटी की चिंता है

नई दिल्ली। भारत में सैंडविच जेनरेशन के लोग आगे माता-पिता और बच्चों की ज़िंदगी को हार संभव तरीके से सबसे बेहतर बनाने पर ध्यान देते हैं, किंतु भी उन्हें सासा लगता है कि ये अपने भविष्य के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। इंडियावाइज लाइफ इंश्योरेंस की एक स्टडी के अनुसार, 60% उत्तरदायी इस बात से सहमत हैं कि, चाहे मैं कितनी भी योग्यता या इन्वेस्ट कर लूँ, पर ऐसा लगता है कि ये भविष्य के लिए काफ़ी नहीं हैं।

सामान्य तौर पर 35 से 54 साल की उम्र के लोगों को सैंडविच जेनरेशन कहा जाता है, जिनके कांधों पर दो पीढ़ियों - यानी अपने बुजुंग माता-पिता और बढ़ावे बच्चों की अधिक ज़रूरतों को पूरा करने की ज़िम्मेदारी होती है। योग्यता बीमा कंपनी ने YouGo1 के साथ मिलकर देश के 12 शहरों में इस जेनरेशन के 4,005 लोगों को एक स्कॉरिंग, ताकि उनके नज़रिये, उनकी धारागता और वित्तीय तैयारी के स्तर को समझा जा सके।

इस मौके पर एडलवाइज लाइफ इंश्योरेंस के एसडी एवं सीरीज़ओ, समिति राय ने कहा, पिछले कुछ सालों में अपने ग्राहकों के साथ बातचीज़ों के आधार पर हमने इस बात को कीरीब से जाना है कि, सैंडविच जेनरेशन के लोग किस तरह अपने मां-बाप और बच्चों की देखभाल के बीच फ़से हुए हैं। वे स्वास्थ्य सेवा और योग्यता जैसी ज़रूरी सुविधाएँ हैं जिनके लिए उपलब्ध कराना चाहता है।

उनके वित्तीय फैसले परिवार के लिए अपनी ज़िम्मेदारी और ध्यार पर अधिगति होते हैं। हमारी स्टडी के निर्णयों ने कैटरेज़ों के एसेट अंड मैनेजमेंट को 2 दिविलन रुपये तक पहुँचा दिया है, जो अप्रैल 2023 से लगभग तीन बार गुना है।

दिविलन रुपये में सप्ताहों को अपेक्षाकृत रिस्क-फी रिटर्न प्रदान करते हैं, जैसे निवेशकों के लिए लीटो के साथ 31

आर्बिट्रेज स्क्रीन है।

लखनऊ, गुजरात, 13 फरवरी 2025

12

## एजीएंडपी प्रथम और द्वितीय गैस ने दो ब्रांडों के विलय की घोषणा की

नई दिल्ली। एजीएंडपी प्रथम और द्वितीय गैस ने इंडिया एनजी बीक, 2025 का उपयोग अपने मिश्रित ब्रांड इंडिया की घोषणा के लिए स्टडी के अनुसार, 60% उत्तरदायी इस बात से सहमत हैं कि, चाहे मैं कितनी भी योग्यता या इन्वेस्ट कर लूँ, पर ऐसा लगता है कि ये भविष्य के लिए काफ़ी नहीं हैं। इंडियावाइज लाइफ इंश्योरेंस की एक स्टडी के अनुसार, 60%

उत्तरदायी इस बात से सहमत हैं कि, चाहे मैं कितनी भी योग्यता या इन्वेस्ट कर लूँ, पर ऐसा लगता है कि ये भविष्य के लिए काफ़ी नहीं हैं। इंडियावाइज लाइफ इंश्योरेंस की एक स्टडी के अनुसार, 60%

उत्तरदायी इस बात से सहमत हैं कि, चाहे मैं कितनी भी योग्यता या इन्वेस्ट कर लूँ, पर ऐसा लगता है कि ये भविष्य के लिए काफ़ी नहीं हैं। इंडियावाइज लाइफ इंश्योरेंस की एक स्टडी के अनुसार, 60%

उत्तरदायी इस बात से सहमत हैं कि, चाहे मैं कितनी भी योग्यता या इन्वेस्ट कर लूँ, पर ऐसा लगता है कि ये भविष्य के लिए काफ़ी नहीं हैं। इंडियावाइज लाइफ इंश्योरेंस की एक स्टडी के अनुसार, 60%

उत्तरदायी इस बात से सहमत हैं कि, चाहे मैं कितनी भी योग्यता या इन्वेस्ट कर लूँ, पर ऐसा लगता है कि ये भविष्य के लिए काफ़ी नहीं हैं। इंडियावाइज लाइफ इंश्योरेंस की एक स्टडी के अनुसार, 60%

उत्तरदायी इस बात से सहमत हैं कि, चाहे मैं कितनी भी योग्यता या इन्वेस्ट कर लूँ, पर ऐसा लगता है कि ये भविष्य के लिए काफ़ी नहीं हैं। इंडियावाइज लाइफ इंश्योरेंस की एक स्टडी के अनुसार, 60%

उत्तरदायी इस बात से सहमत हैं कि, चाहे मैं कितनी भी योग्यता या इन्वेस्ट कर लूँ, पर ऐसा लगता है कि ये भविष्य के लिए काफ़ी नहीं हैं। इंडियावाइज लाइफ इंश्योरेंस की एक स्टडी के अनुसार, 60%

उत्तरदायी इस बात से सहमत हैं कि, चाहे मैं कितनी भी योग्यता या इन्वेस्ट कर लूँ, पर ऐसा लगता है कि ये भविष्य के लिए काफ़ी नहीं हैं। इंडियावाइज लाइफ इंश्योरेंस की एक स्टडी के अनुसार, 60%

उत्तरदायी इस बात से सहमत हैं कि, चाहे मैं कितनी भी योग्यता या इन्वेस्ट कर लूँ, पर ऐसा लगता है कि ये भविष्य के लिए काफ़ी नहीं हैं। इंडियावाइज लाइफ इंश्योरेंस की एक स्टडी के अनुसार, 60%

उत्तरदायी इस बात से सहमत हैं कि, चाहे मैं कितनी भी योग्यता या इन्वेस्ट कर लूँ, पर ऐसा लगता है कि ये भविष्य के लिए काफ़ी नहीं हैं। इंडियावाइज लाइफ इंश्योरेंस की एक स्टडी के अनुसार, 60%

उत्तरदायी इस बात से सहमत हैं कि, चाहे मैं कितनी भी योग्यता या इन्वेस्ट कर लूँ, पर ऐसा लगता है कि ये भविष्य के लिए काफ़ी नहीं हैं। इंडियावाइज लाइफ इंश्योरेंस की एक स्टडी के अनुसार, 60%

उत्तरदायी इस बात से सहमत हैं कि, चाहे मैं कितनी भी योग्यता या इन्वेस्ट कर लूँ, पर ऐसा लगता है कि ये भविष्य के लिए काफ़ी नहीं हैं। इंडियावाइज लाइफ इंश्योरेंस की एक स्टडी के अनुसार, 60%

उत्तरदायी इस बात से सहमत हैं कि, चाहे मैं कितनी भी योग्यता या इन्वेस्ट कर लूँ, पर ऐसा लगता है कि ये भविष्य के लिए काफ़ी नहीं हैं। इंडियावाइज लाइफ इंश्योरेंस की एक स्टडी के अनुसार, 60%

उत्तरदायी इस बात से सहमत हैं कि, चाहे मैं कितनी भी योग्यता या इन्वेस्ट कर लूँ, पर ऐसा लगता है कि ये भविष्य के लिए काफ़ी नहीं हैं। इंडियावाइज लाइफ इंश्योरेंस की एक स्टडी के अनुसार, 60%

उत्तरदायी इस बात से सहमत हैं कि, चाहे मैं कितनी भी योग्यता या इन्वेस्ट कर लूँ, पर ऐसा लगता है कि ये भविष्य के लिए काफ़ी नहीं हैं। इंडियावाइज लाइफ इंश्योरेंस की एक स्टडी के अनुसार, 60%

उत्तरदायी इस बात से सहमत हैं कि, चाहे मैं कितनी भी योग्यता या इन्वेस्ट कर लूँ, पर ऐसा लगता है कि ये भविष्य के लिए काफ़ी नहीं हैं। इंडियावाइज लाइफ इंश्योरेंस की एक स्टडी के अनुसार, 60%

उत्तरदायी इस बात से स







# माघ पूर्णिमा स्नान पर्व के साथ महाकुम्भ में जप, तप और साधना की प्रियेणी के साथी रहे कल्पवास का समाप्ति



## पूरा हुआ कल्पवास, अगली बार फिर आने का लिया संकल्प

- महाकुम्भ से अर्जित आध्यात्मिक ऊर्जा बटोरकर तीर्थराज प्रयागराज से विदा हुए दस लाख से अधिक कल्पवासी
- महाकुम्भ की आध्यात्मिक ऊर्जा बटोर क्रियेणी के टट से विदा हुए 10 लाख से अधिक कल्पवासी
- महाकुम्भ से विदा होते भावुक हुए कल्पवासी, बोले दिव्य, भव्य और स्वच्छ महाकुम्भ की स्मृतियां रहीं साथ

अवधानामा ब्लूरो

**महाकुम्भ/लखनऊ:** प्रयागराज के सांगम टट में लगे आस्था के सबसे बड़े धार्मिक और सांकेतिक समागम महाकुम्भ में एक महीने से प्रवाहित हो रही जप, तप और साधना की प्रियेणी की धारा के साथी होते कल्पवासियों की माघ पूर्णिमा स्नान के साथ विदाई हो गई। ब्रह्म मुहूर्त में त्रिवेणी की माघ पूर्णिमा के साथ विदाई हो गई। ब्रह्म मुहूर्त के अंदर कल्पवास की स्नान कर वहां से विदा हो जाता है। किसी कारण वश अगर कोई कल्पवासी माघ पूर्णिमा को यह अनुष्ठान पूरा नहीं कर पाता तो वह अगले दिन विद्युत का स्नान कर वहां से विदा हो जाता है। माघ पूर्णिमा में दस लाख से अधिक कल्पवासी महाकुम्भ की आध्यात्मिक ऊर्जा लेकर वहां से प्रसन्न कर गए। महाकुम्भ का आयोजन देश के चार स्थानों प्रयागराज, उज्जैन, नासिक और हरिद्वार में होता है, लेकिन कल्पवास की परम्परा केवल प्रयागराज में होती है। इस वर्ष महा कुम्भ के आयोजन ने भी कल्पवास को विशिष्ट पर्याप्ति की धारा दिलाकर कल्पवासियों ने तीर्थ पुरोहितों के सानिय में विधि विधान से दान और हवन का अनुष्ठान पूरा किया। तीर्थ पुरोहित गजेंद्र प्रयागराज बताते हैं कि क्वेंस तो शाश्वत में 84 तरह के दान का उल्लेख है, लेकिन जिसकी जो श्रद्धा होती है उसका दान तीर्थ पुरोहित स्वीकार कर लेते हैं। शैश्व दान, अन्न दान, वस्त्र दान और धन दान आदि का अनुष्ठान

माघ पूर्णिमा को किया जाता है। किसी कारण वश अगर कोई कल्पवासी माघ पूर्णिमा को यह अनुष्ठान पूरा नहीं कर पाता तो वह अगले दिन विद्युत का स्नान कर वहां से विदा हो जाता है। माघ पूर्णिमा में एक भी श्रद्धा देवता द्वारा कल्पवासियों के वाहानों की मेला क्षेत्र से विकासी मेला में भी छंटने के बाद सुनिश्चित की जाए। कल्पवासियों को धारा वापस ले जाने का द्रैक्टर व अन्य छोटे बाहाने को मेला क्षेत्र के बाद ब्रह्म बाहाने गई। पार्किंग में खड़ा करने के लिए कहा जाय। श्रद्धालुओं के स्नान के स्कूल संचालन होने के बाद कल्पवासी अपने वाहानों से अपना सामान लेकर विदा हो जाए।

### कल्पवासियों की महाकुम्भ से घर वापसी के लिए प्रशासन ने विशेष योजना पर किया अमल

मेला क्षेत्र से कल्पवासियों की स्कूलशल घर वापसी के लिए महाकुम्भ प्रशासन ने अलग योजना बनाई है। डीआईजी महाकुम्भ वैभव कृष्ण माघ पूर्णिमा के पहले कल्पवासियों से इसे लेकर अपील कर चुके थे जिसके अनुसार ही महाकुम्भ से कल्पवासियों की रवानगी की योजना पर अमल किया जाय। मेला क्षेत्र में पहले से ही आ बुकी भारी श्रद्धा को देखते हुए कल्पवासियों के वाहानों की मेला क्षेत्र से विकासी मेला में भी छंटने के बाद सुनिश्चित की जाए। कल्पवासियों को धारा वापस ले जाने का द्रैक्टर व अन्य छोटे बाहाने को मेला क्षेत्र के बाद ब्रह्म बाहाने गई। पार्किंग में खड़ा करने के लिए कहा जाय। श्रद्धालुओं के स्नान के स्कूल संचालन होने के बाद कल्पवासी अपने वाहानों से अपना सामान लेकर विदा हो जाए।

### न अमेरिका, न यूरोप और न ही चीन में...! ऐसा मानव समागम इतिहास में कभी नहीं हुआ

- महाकुम्भ पहुंचे नावों के पूर्व जलवायु एवं पर्यावरण मंत्री एरिक सोलाहेम
- दुनिया देव रही श्रद्धा, भवित और अनुशासन का अद्वितीय संगम



महाकुम्भ 2025 के दिव्य-भव्य आयोजन के लिए संकल्पबद्ध प्रदेश की योगी सरकार ने इस महायोजन को विश्वस्तर पर लोकप्रिय कर दिया है। पूरी दुनिया से लोग प्रयागराज महाकुम्भ की अनुभूति करने के तहत ही हैं। इसे क्रम में नावों के पूर्व जलवायु एवं पर्यावरण मंत्री एरिक सोलाहेम महाकुम्भ पहुंचते हैं। उन्होंने इस महायोजन का अद्वितीय और जीवन में एक बार मिलने वाला अनुभव बताया। उन्होंने इसे केवल विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक आयोजन बत्तिक इतिहास का सबसे विश्वाल माध्यम समागम भी करार दिया। एरिक सोलाहेम ने इस वर्ष आयोजन के लिए जीवन में एक बार होने वाले अनुभूति करने के लिए कहा जाय। श्रद्धालुओं के स्नान के स्कूल संचालन होने के बाद कल्पवासी अपने वाहानों से अपना सामान लेकर विदा हो जाए।

जलवायु एवं पर्यावरण मंत्री एरिक सोलाहेम ने कहा कि महाकुम्भ 2025 में अब तक 400 मिलियन (40 करोड़) से अधिक श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। ये श्रद्धालु यहां देवों का आशीर्वाद लेने, आध्यात्मिक और भावनात्मक यात्रा परिवार के साथ पर्यावरण मंत्री को प्राप्त करने वाले अनुभूति करने आ रहे हैं। योगी सरकार द्वारा महाकुम्भ की जरूरी संस्कृति के लिए एरिक सोलाहेम भी भावुक हुए। योगी सरकार द्वारा महाकुम्भ की जरूरी संस्कृति के लिए एरिक सोलाहेम द्वारा भी भावुक हुए। योगी सरकार द्वारा महाकुम्भ का जीवन में एक बार होने वाला अनुभव आयोजन की नहीं हुआ, न चीन में एक बार होने वाला अनुभव था। उन्होंने कहा कि ये मेरे लिए अकिञ्चनीय अनुभव हैं और मुझे यहां आकर बहुत खुशी हुई, क्योंकि अगला महाकुम्भ 144 साल बाद होगा। सरकार, स्वच्छा, यात्रायात्रा प्रबंधन व डिजिटल सुविधाओं के कारण न केवल करोड़ों स्नानातीनी बत्तिक पूरी दुनिया से विभिन्न धर्मों के लोग भी महाकुम्भ की अनुभूति करने आ रहे हैं। योगी सरकार द्वारा महाकुम्भ की जरूरी संस्कृति के लिए एरिक सोलाहेम द्वारा भी भावुक हुए। योगी सरकार द्वारा महाकुम्भ का जीवन में एक बार होने वाला अनुभव आयोजन की नहीं हुआ, न चीन में एक बार होने वाला अनुभव था। उन्होंने कहा कि ये मेरे लिए अकिञ्चनीय अनुभव हैं और मुझे यहां आकर बहुत खुशी हुई, क्योंकि इस लगातार पहुंच रहे हैं।

### महाकुम्भ की आस्था में ओतप्रोत नजर आए अनिल कुबले, प्रियेणी संगम में किया पावन स्नान

- बिना प्रोटोकॉल किया संगम स्नान

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच अनिल कुबले ने माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। उनकी पानी चेतना रातीर्थी भी इस आध्यात्मिक यात्रा में उनके बाद अपनी तत्वार्थी तरफ संगम स्नाशल महाकुम्भ को देख रखा। उन्होंने अपनी तत्वार्थी के साथ सिर्फ़ एक शब्द लिखा और वो था ब्लॉस्ट (आशीर्वाद)। इससे उनका तात्पर्य यही था कि त्रिवेणी संगम में स्नान कर उन्हें भी पुण्य की प्राप्ति हुई और तीर्थराज प्रयागराज वर्षा तो नहीं हो गया। वैसे तो संयम और नियम के साथ पूरा पाता रहता है। लेकिन जिसकी जो श्रद्धा करते हैं, तो उनका इस वर्ष का अनुष्ठान अपने लिए बहुत आवश्यक होता है।

वार कल्पवासियों के शिविरों को गंगा के घाट के नजदीक स्नान देकर प्रशासन ने अन्य काम किया है। 76 बरस की उम्र में भी त्रिवेणी के टट में इस कपकापती ठड़ में रेत में इन तंतुओं में कल्पवास करने आये सतना के शिवनाथ गहरी अपने 23वें कल्पवास का इस साल का अनुष्ठान बताते बाहुक जाते हैं। उनका कहना है कि त्रिवेणी के लिए प्राप्ति हुई और तीर्थराज प्रयागराज वर्षा नहीं हो गया।

कुबले मंगलवार को ही प्रयागराज पहुंच गए थे। हालांकि, त्रिवेणी स्नान के लिए उन्होंने माघ पूर्णिमा का पावन दिन चुना।



का आशीष मिला।

अपनी किसी से विशेषी बल्लेबाजों को बोलेलियन की राह दिखाने वाले अनिल

में भी त्रिवेणी के टट में इस कपकापती ठड़ में रेत में इन तंतुओं में कल्पवास करने आये सतना के शिवनाथ गहरी अपने 23वें कल्पवास का इस साल का अनुष्ठान बताते बाहुक होते हैं। उनका कहना है कि त्रिवेणी के लिए प्राप्ति हुई और तीर्थराज प्रयागराज वर्षा नहीं हो गया।

अपने 23वें कल्पवास का इस साल का अनुष्ठान बताते बाहुक होते हैं। उनका कहना है कि त्रिवेणी के टट में इस कपकापती ठड़ में रेत में इन तंतुओं में कल्पवास करने आये सतना के शिवनाथ गहरी अपने 23वें कल्पवास का इस साल का अनुष्ठान बताते बाहुक होते हैं। उनका कहना है कि त्रिवेणी के लिए प्राप्ति हुई और तीर्थराज प्रयागराज वर्षा नहीं हो गया।

पर मिली शांति और आध्यात्मिक वातावरण की अनुभूति लेकर वह गंगा मैया की गोद से विदा हो रहे हैं।

### तालीम को अपनाना वक्त की सबसे अहम ज़रूरत: मौलाना सैयद हैदर अब्दुल अल्लाह रिजावी

- युवाओं को जारीकृत करने की ज़रूरत

अवधानामा ब्लूरो

बागबांकी/लखनऊ: इदारा इन्सिनियेटिव के द्वारा आयोजित योग्यता विद्यालय के विद्यार्थी ने आध्यात्मिक योग्यता के लिए एक विशेष विद्यालय बनाया। इसके अंदर योग्यता विद्य